संबद्धों विव/एफ बी वि/एफ बी वि/एफ बी वि/एफ बी विश्व कि स्वार्थ के सम्बन्ध में कोई स्वीद्योगिक विवाद है;

भीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, भोद्योगिक विवाद भिश्वनियम, 1947, की खारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके हारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित औद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, की नीचे विनिर्दिष्ट मामलें जोकि उक्त प्रवन्तकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रयवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है ग्रयावनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्या श्री रार्जेन्द्र प्रसाद का सेवाभों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/32-87/22111.—चं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० सिदाना इन्जिनियरिंग वर्कस प्लाट नं० 171, सैक्टर 24, फरीदावाद के श्रमिक श्री जगन नाथ, पृत्र श्री मोहन मार्फत हिन्द मजदूर सभा 29, शहीद चौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछतीय समझते हैं ;

इसलिए, प्रव, भौदोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपदारा (1) के खण्ड (घ) हारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके हारा उक्त अधिनियम की घारा 7क के अधीन गठिन ग्रोधोगिक प्रश्चितरन हरियाणा करोदाबाद को नोचे जिलिहिंड मानने जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निविष्ट करते हैं:—

क्या श्री जगन नाथ की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो॰ वि०/एफ ही ०/112-87/22118. चंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं के की जी बोसला कम्प्रसर्ज लिं । 18/8, मथुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री कदीर ग्रहमद मार्फ त शाम सुन्दर गृप्ता, 50 नीलम चौक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अत्र, श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (थ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठिल श्रीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धक तथा श्रमिक के बीच या तो विवादमस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :---

क्या श्री कदीर ग्रहमद की सेवा समाप्त की गई है या उसरे स्वयं गैर-हाजिर रह कर नौकरी से (लियन) खोया है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यवाल इस विवाद को न्यायित ग्रंथ हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रीबोगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की ग-क्वितयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रीबोगिक ग्रिथिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिधिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्थकों तया श्रीमिकों के बीच या तो विवादपस्त मामल है ग्रपना विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

बया श्री दाना की सेवामों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह क्रिस राहत का हकदार है ?